संधि

↓

व्यंजन संधि

व्यंजन संधि

1	2	३	४	५
क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म

⇒ व्यंजन संधि पहला नियम

क्	ग
च्	ज
ट्	ड
त्	द
प्	ब

क्, च्, ट्, त्, प् + 3, 4 कोई हो या कोई स्वर / या य्, र्, ल्, व् कुछ भी तो

ये अपने 3 में बदल जाते हैं

① वाक् + ईश

वा + ग + ई + श

वागीश।

② वाक् + जाल

३ पंच जो

वा + ग + जा + ल

वागजाल ✓

③ अच् + अन्त

अ + ज + अन्त

अजन्त

=> अच् + आदी

=> अ + ज् + आ + दी

अजादी

सुप् + अन्त

=> सु + ब् + अ + न्त

सुबन्त संधि

सुप् + अन्त

षट् + आनन

⇒ ष + ड् + आ + नन

षडानन

तत् + रूप

= त + द् + रू + प

तद्रूप

(1) बृहत् + रथ = बृहद्रथ = बृहद्रथ

नियम -2

क + म/न कुछ हो

च

ट

त

प

(ङ) (ञ) (ण) (न) (म)

ये अपने पंचम में बदल जायेंगे

मे कुछ भी

वाक् + मय

वाङ.मय

वाङ्मय

म/न

=) जगत् + नाथ
जग + न् + नाथ
जगन्नाथ ✓

दिक् + मण्डल
दि ङ् मण्डल
दिङ्मण्डल

=

त्/द् 1 नियम

⇒ त्/द् + च/छ में से कुछ भी आता तो

ये च् में बदल जाता है

उत् + चारण

उच्चारण

=> शरत् + चन्द्र

शरच्चन्द्र

=> महत् + छत्र

महच्छत्र

सत् + चित्त

सच्चित्त

(1) सद् + चरित्र

सच्चरित्र

त्/द् का नियम-2

त्/द् + ज/झ में से कुछ आता तो

ये ज् में बदल जायेगा

सत् + जन

सज्जन

② विपद् + ज्वाल

विपज्ज्वाल ✓

⇒ उत् + ज्वल

उज्ज्वल

त्/द् नियम -3

त्/द् + ट/ठ से कुछ भी आ रहा हो

→ ट् मे में बदल जायेगा

① तत् + टीका

तट्टीका = तट्टीका

② सत् + टीक = सट्टीका

वृहद् + टीका

वृहट्टीका

⇒ त्/द् का नियम-4

त्/द् + ड/ढ में से कुछ आ रहा हो तो

ड् में बदल जायेगा।

उत् + डयन

उड्डयन

त् का नियम - 5

त् + ल हो तो

त् भी ल् में बदल जाता

तत् + लीन

⇒ तल्लीन ✓

= उत् + लास

=

= उत् + लेख

⇒ त्/द् का नियम – 6

त्/द् + श → च् में बदल जायेगा

→ छ में बदल जायेगा

सत् + शास्त्र
सच्छास्त्र ✓

तत् + श्रुवा
तच्छुवा